FACULTY OF STUDIES BSF
Academy, Tekanpur
Phone 07524-274100, 200, 300/ Extn 321

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 1052/प्रेसनोट/अ0सं0/2015/3551–69 *21 नवंबर 2015*

सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर ने मनाया 50वां स्थापना दिवस

सीसुबल का महत्वपूर्ण प्रशिक्षण संस्थान टेकनपुर

21 नवंबर 2015 टेकनपुर। सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर ने अपना 50वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर पोफेसर डॉ0 राम शंकर कथेरिया, केन्द्रीय राज्य मंत्री (मानव संसाधन – उच्च शिक्षा) भारत सरकार मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। मुख्य अतिथि महोदय को, सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर के क्वार्टर गार्ड प्रांगण में स्पेशल गार्ड द्वारा सलामी दी गई। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों को मिठाई वितरण किया गया। मुख्य अतिथि महोदय ने सलामी लेने से पहले अजेय प्रहरी शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र चढ़ाकर शहीदों को श्रद्धांजति अर्पित की। मुख्य अतिथि महोदय ने सीएसएमटी एवं रूस्तमजी इन्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी का मुयायना किया व यहॉ अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से बातचीत की एवं प्रशिक्षण गतिविधियों का जाएजा लिया। मुख्य अतिथि महोदय ने यहॉ एक कम्प्यूटर लैब का भी उद्घाटन किया।

प्रोफेसर डॉ0 राम शंकर कथेरिया, केन्द्रीय राज्य मंत्री (मानव संसाधन – उच्च शिक्षा) भारत सरकार ने अश्व स्कूल अकादमी टेकनपुर में चल रहे 34वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता – 2015 में जाकर भारत के विभिन्न प्रान्तों एवं केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के 18 टीमों के बीच कड़ी स्पर्धा के रोमांचक खेल को देखकर प्रशन्नता जाहिर की। श्री कथेरिय ने अपने संबोंधन में अकादमी के निदेशक एवं समस्त अकादमी परिवार का अभार व्यक्त किया। महोदय ने अकादमी के प्रशिक्षण गतिविधियों के बारे में कहा कि अकादमी टेकनपुर अधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण प्रशिक्षण संस्थान है। महोदय ने कहा कि यह प्रशिक्षण संस्थान महोदय के कार्यक्षेत्र में नहीं आता है लेकिन आरजेआईटी टेकनपुर का जिक करत हुए महोदय ने कहा कि यहॉ अध्ययनरत विद्यार्थी के लिए बहुत ही अच्छा व अनुकूल वातावरण है। इस प्रशिक्षण संस्था को और भी अच्छी सुविधा मुहैया कराने के लिए महोदय ने अपनी प्रतिवृद्धता जाहिर की। महादेय ने कहा कि इस देश के विकास में मजदूर, किसान व जवानों की अहम भूमिका रही है। महोदय ने देश की सेवा के दौरान शहीद हुए सीसुबल के जवानों को नमन किया और सीसुबल में कार्यरत कार्मिकों को इसी तरह देश की सेवा कर अपने बल का नाम ऊँचा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

श्री कथेरिया ने अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मैडल व ट्रॉफियां वितरित की। मैडल प्राप्त करने वाली टीमों के नाम निम्न हैं।

फेरियर प्रतियोगिताः–
प्रथम स्थान – एनपीए हैदराबाद टीम के राईडर शिवप्रताप
द्वितीय स्थान – बंगाल पुलिस के राईडर राजेश राम
तृतीय स्थान – राजस्थान पुलिस के राईडर मुकेश कुमार

साईसेज प्रतियोगिता
प्रथम स्थान – सीसुबल टीम के राईडर भूपेन्दर सिंह
द्वितीय स्थान – सीसुबल टीम के राईडर रंजीत सिंह
तृतीय स्थान – आईटीबीपी टीम के राईडर महिन्दर सिंह

नोट – प्रकाश्न करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाए।

अकादमी टेकनपुर के 50वे स्थापना दिवस के इस अवसर पर माननीय केन्द्रीय श्री कथेरिया द्वारा अकादमी का मोटो, सीसुबल अकादमी स्वर्ण जयंती वर्ष का लोगो, अकादमी स्वर्ण जयंती स्मृति चिन्ह, साथ ही अकादमी के बैनर का भी अनावरण किया गया। साथ ही सीसुबल अकादमी गोल्डन जुबली करटेन रजर प्रोग्राम एवं अकादमी रेजिंग डे सरमनी के बाद सभी कार्मिकों के लिए कई रंगारंग कार्यक्रमों व सामूहिक भोज का आयोजन किया गया जिसमें अकादमी के सभी अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान शामिल हुए।

ज्ञात हो कि सीमा सुरक्षा बल अकादमी की स्थापना 'ट्रेनिंग सेंटर एण्ड स्कूल' नाम से 01 फरवरी 1966 को हुई थी और 21 नवंबर 1966 को इसका नाम बदलकर 'सीमा सुरक्षा बल अकादमी' रखा गया। ब्रिगेडियर बी सी पाण्डे, पद्मश्री अकादमी के प्रथम अकादमी प्रमुख थे। सीमा सुरक्षा बल के संस्थापक एवं प्रथम महानिदेशक श्री के एफ रूस्तमजी, आई पी (इंडियन पुलिस कैडर) के प्रयासों से भारत सरकार से यह क्षेत्र सीमा सुरक्षा बल को प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए चुना गया था। आरम्भ में 25 बटालियनों की जनशक्ति वाले इस बल के अधिकारियों और उप निरीक्षकों को बुनियादी एवं इन सर्विस कोर्स के प्रशिक्षण हेतु इसकी स्थापना हुई थी। वर्तमान में श्री एस एस तोमर, अपर महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल, अकादमी के निदेशक पद पर कार्यरत हैं।

इस प्रशिक्षण संस्थान में सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों एवं अन्य केंद्रीय पुलिस संगठनों के कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सीमा सुरक्षा बल अकादमी की अभिकल्पना सीमाओं की सुरक्षा, प्रबंधन, नक्सलवाद/आतंकवाद विरोधी कार्यवाहियों तथा मानव संसाधन विकास में सर्वोत्तम प्रशिक्षण संस्थान बनाना है तथा अकादमी का उद्देश्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए युद्ध एवं शांति दानों ही परिस्थितियों में एक अच्छे लीडर एवं प्रभावशाली कमांडर के रूप में कुशलतापूर्वक कार्य करने हेतु अधिकारी एवं अधीनस्थ अधिकारियों को प्रशिक्षित करना है। अकादमी में इसके अलावा बल के कार्मिकों के लिए घुड़सवारी, मोटर चालन, आपदा प्रबंधन, श्वान प्रशिक्षण कोर्स व भारत के राज्य तथा पड़ोसी देशों के पुलिस बलों के लिए भी विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। राज्य पुलिस बलों द्वारा भीड़ को नियंत्रण करने हेतु अश्रु गैस निर्माण इकाई भी यहां सुचारू रूप से संचालित है।

अकादमी के निदेशक श्री शैलेन्द्र सिंह तोमर, अपर महानिरीक्षक ने अकादमी की 49वीं वर्षगांठ के अवसर पर सभी कार्मिकों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कमाण्डेंट
अध्ययन संकाय

नोट – प्रकाश्न करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाए।